UP Board Important Questions Class 11 भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास Chapter 4 निर्धनता Bhartiya Arthvyavastha Ka Vikas

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
निर्धनों के खाद्य उपभोग और पोषण स्तर को प्रभावित करने वाले दो कार्यक्रम लिखिए।
उत्तर:

1. एकीकृत बाल विकास योजना
2. मध्यावकाश भोजन योजना।

प्रश्न 2.
कैलोरी के आधार पर निर्धनता की पहचान कैसे की जाती है?
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 2400 कैलोरी एवं शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी से नीचे उपभोग वाले व्यक्ति को निर्धन माना जाएगा।

प्रश्न 3.
चिरकालीन अथवा दीर्घकालीन निर्धन वर्ग का वर्गीकरण कीजिए।
उत्तर:
इसमें निर्धन के दो वर्ग हैं:

1. सदा निर्धन
2. सामान्य निर्धन।

प्रश्न 4.
अल्पकालीन निर्धन वर्ग का वर्गीकरण कितने भागों में किया जा सकता है?
उत्तर:
इसमें निर्धन को दो भागों में बाँटा जा सकता है:

1. निरन्तर निर्धन
2. यदाकदा निर्धन ।

प्रश्न 5.
निर्धनता के न्यूनतम कैलोरी उपभोग मापदण्ड - के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम कितना कैलोरी उपभोग होना चाहिए?
उत्तर:
2400 कैलोरी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन।

प्रश्न 6.
निर्धनता के न्यूनतम कैलोरी उपभोग मापदण्ड के अनुसार शहरी क्षेत्रों में न्यूनतम कितना कैलोरी उपभोग होना चाहिए?
उत्तर:
2100 कैलोरी प्रति व्यक्ति प्रति दिन।

प्रश्न 7.
भारत की कोई दो प्रमुख समस्याएँ बताइए।
उत्तर:

1. निर्धनता,
2. बेरोजगारी।

प्रश्न 8.
निर्धनता से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
वह स्थिति जिसमें व्यक्ति जीवन की आधारभूत एवं अति आवश्यक आवश्यकताओं को पूरा न कर पाए।

प्रश्न 9.
निर्धनता से सम्बन्धित माने जाने वाले कोई दो प्रमुख कारक बताइए।
उत्तर:

1. आय और सम्पत्ति का स्वामित्व
2. स्वास्थ्य सेवा एवं पेयजल की सुलभता।

प्रश्न 10.
निर्धनता रेखा के निर्धारण में ध्यान रखने योग्य कोई दो सामाजिक कारक बताइए।
उत्तर:

1. साक्षरता
2. संसाधनों की उपलब्धता।

प्रश्न 11.
निर्धनता निवारण योजनाओं का मुख्य ध्येय क्या होना चाहिए?
उत्तर:
निर्धनता निवारण योजनाओं का मुख्य ध्येय मानवीय जीवन में सर्वांगीण सुधार होना चाहिए।

प्रश्न 12.
निर्धनता सम्बन्धी 'सेन सूचकांक' का विकास किसने किया?
उत्तर:
निर्धनता सम्बन्धी 'सेन सूचकांक' का विकास नॉबेल पुरस्कार सम्मानित अर्थशास्त्री प्रो. अमर्त्य सेन ने किया।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 13.
व्यक्ति गणना अनुपात किसे कहते हैं?
उत्तर:
जब निर्धनों की संख्या का अनुमान निर्धनता रेखा से नीचे के जनानुपात द्वारा किया जाता है तो उसे 'व्यक्ति गणना अनुपात' कहते हैं।

प्रश्न 14.
स्वतन्त्रता पूर्व भारत में सबसे पहले किसने निर्धनता रेखा की अवधारणा पर विचार किया?
उत्तर:
दादाभाई नौरोजी।

प्रश्न 15.
प्रधानमंत्री की रोजगार योजना एवं ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम का विलय किस कार्यक्रम में कर दिया गया है?
उत्तर:
15 अगस्त, 2008 को इन दोनों कार्यक्रमों का विलय कर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

प्रश्न 16.
निर्धनों के लिए आर्थिक अवसर सीमित क्यों होते हैं?
उत्तर:
बुनियादी शिक्षा एवं कौशल के अभाव में निर्धनों के लिए आर्थिक अवसर सीमित होते हैं।

प्रश्न 17.
भारत में निर्धनता सम्बन्धी आँकड़े कौन उपलब्ध करवाता है?
उत्तर:
भारत में योजना आयोग, निर्धनता सम्बन्धी आँकड़े उपलब्ध करवाता है।

प्रश्न 18.
सामान्यतः निर्धन किसे कहते हैं? कोई एक उदाहरण दीजिए।
उत्तर:
सामान्यतः निर्धन वर्ग में वे व्यक्ति आते हैं जिनके पास कभी-कभी कुछ धन आ जाता है, जैसे अनियत मजदूर।

प्रश्न 19.
निर्धनता को जन्म देने वाले सामाजिक कारक कौन से हैं?
उत्तर:
निरक्षरता, अस्वस्थता, संसाधनों की अनुपलब्धता, भेदभाव आदि।

प्रश्न 20.
निर्धनता निवारण योजनाओं का मुख्य ध्येय क्या होना चाहिए?
उत्तर:
निर्धनता निवारण योजनाओं का मुख्य ध्येय मानवीय जीवन में सर्वांगीण सुधार लाना होना चाहिए।

प्रश्न 21.
NSSO का पूरा नाम लिखिए।
उत्तर:
Nsso = राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन।

प्रश्न 22.
भारत में निर्धनता के कोई दो कारण बताइए।
उत्तर:

1. जनसंख्या का दबाव
2. निम्न पूँजी निर्माण।

प्रश्न 23.
भारत में निर्धनता दूर करने हेतु एक सुझाव ने दीजिए।
उत्तर:
भारत में साक्षरता एवं आधारभूत संरचना में वृद्धि की जानी चाहिए।

प्रश्न 24.
भारत में निर्धनता निवारण हेतु सरकार द्वारा चलाए जा रहे कोई दो कार्यक्रमों के नाम लिखिए।
उत्तर:

1. स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना,
2. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना।

प्रश्न 25.
महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम कब पारित किया गया?
उत्तर:
महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम वर्ष 2005 में पारित किया गया।

प्रश्न 26.
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना कब प्रारम्भ की गई?
उत्तर:
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना 1 अप्रैल, 1999 को प्रारम्भ की गई।

प्रश्न 27.
भारत के किन राज्यों में सर्वाधिक निधनता पाई जाती है?
उत्तर:
भारत में अधिकांश निर्धनता निम्न पाँच राज्यों में पाई गई-तमिलनाडु, ओडिशा, बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल।

प्रश्न 28.
भारत में बेरोजगारी के कोई दो कारण बताइए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

1. आर्थिक विकास की धीमी गति।
2. जनसंख्या में तीव्र वृद्धि।

प्रश्न 29.
बेरोजगारी का अर्थ बताइए।
उत्तर:
बेरोजगारी का अर्थ उन व्यक्तियों को काम न मिलने से है, जो काम करने योग्य हैं तथा जो काम करना चाहते हैं।

प्रश्न 30.
जवाहर ग्राम समृद्धि योजना कब प्रारम्भ की गई?
उत्तर:
जवाहर ग्राम समृद्धि योजना 1 अप्रैल, 1999 को प्रारम्भ की गई।

प्रश्न 31.
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में चयनित परिवार के एक सदस्य को एक वर्ष में कितने दिन के रोजगार की गारण्टी दी गई?
उत्तर:
100 दिन।

प्रश्न 32.
सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना कब प्रारम्भ की गई?
उत्तर:
सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना 25 सितम्बर, 1 2001 को प्रारम्भ की गई।

प्रश्न 33.
स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना को किस नाम से पुनस्थापित किया गया है?
उत्तर:
राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन

प्रश्न 34.
स्वर्ण जयन्ती ग्रामीण रोजगार योजना को किस नाम से पुनर्स्थापित किया गया है?
उत्तर:
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन।

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
एक अर्थशास्त्री के रूप में आप ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी निवारण, रोजगार सृजन एवं परिसम्पत्तियों के निर्माण हेतु संयुक्त कार्यक्रम समझाइए।
उत्तर:
एक अर्थशास्त्री के रूप में हमारा मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी निवारण, रोजगार सृजन तथा परिसम्पत्तियों के निर्माण हेतु महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम

ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक परिवार के एक वयस्क सदस्य को 100 दिन के अकुशल श्रम की गारण्टी देता है, जिसके फलस्वरूप उस परिवार की गरीबी दूर करने में मदद मिलती है, साथ ही इस कार्यक्रम के तहत ग्रामीण विकास हेतु विभिन्न परिसम्पत्तियों के निर्माण सम्बन्धी कार्य किए जाते हैं।

प्रश्न 2.
गरीबी अथवा निर्धनता से आपका क्या अभिप्राय है?
उत्तर:
गरीबी अथवा निर्धनता का अभिप्राय उस सामाजिक अवस्था से है जिसमें समाज का एक वर्ग अपने जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं से भी वंचित रहे और वह न्यूनतम जीवन स्तर से भी नीचे जीवन यापन करे अर्थात् गरीबी अथवा निर्धनता वह सामाजिक स्थिति है, जिसमें समाज का एक वर्ग अपने जीवन की अति आवश्यक आवश्यकताओं, जैसे-भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास आदि को भी पूरा नहीं कर पाता हो।

प्रश्न 3.
निरपेक्ष एवं सापेक्ष गरीबी की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
निरपेक्ष गरीबी: एक व्यक्ति की निरपेक्ष गरीबी का अर्थ है कि उसका उपभोग व्यय इतना कम है कि वह न्यूनतम भरण - पोषण स्तर से नीचे स्तर पर जीवन - यापन कर रहा है। सापेक्ष गरीबी-सापेक्ष गरीबी से तात्पर्य आय की विषमताओं से है अर्थात् गरीबी की इस अवधारणा में तुलनात्मक आधार पर निर्धनता को परिभाषित किया जाता है।

प्रश्न 4.
भारत में योजना आयोग ने निर्धनता की माप का मापदण्ड क्या रखा है?
उत्तर:
भारत में योजना आयोग ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 2400 कैलोरी एवं शहरी क्षेत्रों में प्रतिदिन 2100 कैलोरी से कम उपभोग करने वाले व्यक्तियों को गरीब माना है। तेन्दुलकर समिति ने 2011 - 12 में प्रति व्यक्ति औसत मासिक उपयोग व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 816 रुपये एवं शहरी क्षेत्रों में 1000 रुपये लिया है।

प्रश्न 5.
निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय |किन-किन कारकों को ध्यान में रखा जाना चाहिए?
उत्तर:
निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय अनेक आर्थिक एवं सामाजिक कारकों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। आर्थिक कारकों के अन्तर्गत सबसे महत्त्वपूर्ण कारक व्यक्ति की आय एवं सम्पत्ति का स्वामित्व हैं, इन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त बुनियादी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता की सुलभता आदि को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त कुछ सामाजिक कारकों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए; जैसे - निरक्षरता, अस्वस्थता, संसाधनों की अनुपलब्धता, भेदभाव या नागरिक और राजनीतिक स्वतन्त्रताओं का अभाव आदि।

प्रश्न 6.
निर्धनता के वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
निर्धनता को दो भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

https://www.evidyarthi.in/

1. चिरकालिक निर्धन: चिरकालिक निर्धन में दो वर्ग आते हैं - एक, सदा निर्धन, जो सदैव निर्धन रहते हैं तथा दूसरा, सामान्यतः निर्धन, जो निर्धन तो होते हैं; किन्तु कभी - कभी उनके पास कुछ धन भी आ जाता है।
2. अल्पकालिक निर्धन अल्पकालिक निर्धन में दो वर्ग आते हैं - पहला चक्रीय निर्धन, जो निरन्तर निर्धन . एवं गैर-निर्धन वर्ग के बीच झूलता रहता है तथा दूसरा वर्ग यदाकदा निर्धन का है, जो अधिकांश समय धनी रहते हैं किन्तु कभी - कभी निर्धन की श्रेणी में आ जाते हैं।

प्रश्न 7.
भारत में निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का मुख्य ध्येय स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में निर्धनता निवारण कार्यक्रम का मुख्य ध्येय निर्धनता को कम करना है, साथ ही मानवीय जीवन का सर्वांगीण विकास करना है। इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत लोगों की मूलभूत आर्थिक एवं सामाजिक आवश्यकता को पूरा करना मुख्य ध्येय रहता है। जैसे-रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, आवास इत्यादि ताकि लोगों का सर्वांगीण विकास हो सके। साथ ही व्यक्ति के कर्म पथ की बाधाओं का निवारण करना; जैसे- निरक्षरता, अस्वस्थता, संसाधनहीनता, राजनीतिक स्वतन्त्रता का अभाव इत्यादि का निवारण करना।

प्रश्न 8.
“भारत में निर्धनता में निरन्तर कमी आई है।" इस कथन को उपयुक्त आँकड़ों के
आधार पर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् निर्धनता में निरन्तर कमी आई है। वर्ष 1973 - 74 में 320 मिलियन से अधिक लोग निर्धनता रेखा से नीचे थे। यह संख्या वर्ष 2011 - 12 में तेन्दुलकर समिति के अनुसार लगभग 270 मिलियन रह गई। आनुपातिक दृष्टि से 1973 - 74 में कुल जनसंख्या की 55 प्रतिशत जनसंख्या निर्धनता रेखा से नीचे थी। यह अनुपात वर्ष 2011 - 12 में तेन्दुलकर समिति के अनुसार 22 प्रतिशत रह गया। अत: भारत में निर्धनता में निरन्तर कमी हो रही है।

प्रश्न 9.
भारत में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्धनता अथवा गरीबी की तुलना कीजिए।
उत्तर:
भारत में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्धनता अनुपात में अन्तर है, देश में ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा निर्धनता अधिक है; किन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की अपेक्षा निर्धनता में तीव्रता से कमी आई है। वर्ष 2004 - 05 में ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता अनुपात 41.8 प्रतिशत था जो कम होकर वर्ष 2011 - 12 में तेन्दुलकर समिति के अनुसार 25.7 प्रतिशत रह गया। इसी प्रकार वर्ष 2004 - 2005 में शहरी क्षेत्रों में निर्धनता अनुपात 25.7 प्रतिशत था, जो कम होकर तेन्दुलकर समिति के अनुसार वर्ष 2011 - 12 में 13.7 प्रतिशत रह गया।

प्रश्न 10.
भारत में निर्धनता के किन्हीं चार कारणों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. भारत में जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है जिससे निर्धनता में भी वृद्धि हो रही है।
2. देश में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक असमानताएँ व्याप्त हैं, जिससे निर्धनता बढ़ती है।
3. देश में निर्धनता का एक अन्य प्रमुख कारण देश में व्याप्त बेरोजगारी की समस्या है।
4. देश में निम्न पूँजी निर्माण भी निर्धनता का एक न प्रमुख कारण है।

प्रश्न 11.
भारत में निर्धनता दूर करने हेतु कोई चार हो सुझाव दीजिए।
उत्तर:

1. देश में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाकर व्य निर्धनता की समस्या का निवारण किया जा सकता है।
2. देश में बचत, विनियोग एवं पूँजी निर्माण में वृद्धि करके निर्धनता का निवारण किया जा सकता है।
3. सरकार द्वारा जनसंख्या नियन्त्रण कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाकर निर्धनता का निवारण किया जा सकता है।
4. देश में बेरोजगारी की समस्या का निवारण कर निर्धनता का निवारण किया जा सकता है।

प्रश्न 12.
अंग्रेजी शासन काल की किन्हीं तीन नीतियों का उल्लेख कीजिए, जो निर्धनता बढ़ाने में सहायक रहीं।
उत्तर:

1. अंग्रेजों ने कृषि क्षेत्र पर भारी लगान लगाया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता में वृद्धि हुई।
2. अंग्रेजों की नीतियों के फलस्वरूप भारत में घरेलू उद्योगों का पतन हो गया जिससे देश में बेरोजगारी एवं निर्धनता में वृद्धि हुई।
3. अंग्रेजों ने भारत को कच्चे माल का निर्यातक एवं तैयार माल का आयातकं बना दिया, जिससे देश में निर्धनता का विस्तार हुआ।

प्रश्न 13.
भारत सरकार की निर्धनता निवारण की त्रि - आयामी नीति को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत सरकार ने निर्धनता निवारण की त्रि - आयामी नीति अपनाई:

1. संवृद्धि आधारित रणनीति-इस नीति में सरकार ने आर्थिक संवृद्धि अर्थात् सकल घरेलू उत्पाद एवं प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि करने की नीति अपनाई।
2. रोजगार संवर्द्धन की नीति-इसके अन्तर्गत सरकार ने रोजगार सृजन हेतु अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किए।
3. न्यूनतम आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की नीति-इसके अन्तर्गत सरकार ने लोगों को न्यूनतम आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु अनेक कार्यक्रम चलाए।

प्रश्न 14.
निर्धनता निवारण कार्यक्रमों की कोई तीन प्रमुख कमियों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का अधिक लाभ गैर-निर्धन लोगों को मिला है।
2. विभिन्न निर्धनता निवारण कार्यक्रमों में समन्वय न होने के कारण वांछनीय लाभ प्राप्त नहीं हो पाए हैं। से
3. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों हेतु आवंटित संसाधन पर्याप्त नहीं रहे हैं।

प्रश्न 15.
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना पर व संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
भारत सरकार ने 1 अप्रैल, 1999 को स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना प्रारम्भ की। इस योजना में पूर्व में चल

https://www.evidyarthi.in/

रहे छ: कार्यक्रमों-समन्वित ग्रामीण विकास : कार्यक्रम, दस लाख कुओं की योजना, ट्राइसम, द्वाकरा, सीटरा तथा जे.के. वाई. को मिला दिया गया। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकाधिक लघु उद्योगों की| स्थापना से गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवारों को लाभान्वित कर तीन वर्षों में गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है।

प्रश्न 16.
सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना का शुभारम्भ रोजगार आश्वासन योजना एवं जवाहर ग्राम समृद्धि योजना को मिलाकर 25 सितम्बर, 2001 को किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी सामुदायिक, सामाजिक तथा भौतिक सम्पत्ति का निर्माण करना है। इस योजना का एक अन्य उद्देश्य बेरोजगार गरीबों के लिए - रोजगार के अवसर उत्पन्न करना है। तथा खाद्यान्न सुरक्षा करना है। इसे 1 अप्रैल, 2008 को महात्मा गाँधी राष्ट्रीय - ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना में मिला दिया गया।

प्रश्न 17.
महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम अथवा योजना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
इस योजना का शुभारम्भ 2 फरवरी, 2006 को किया गया तथा 1 अप्रैल, 2008 को इस योजना को सम्पूर्ण देश में लागू किया गया। इस योजना में 'काम के बदले अनाज' एवं 'सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना' का विलय किया गया। इस अधिनियम के अन्तर्गत चयनित जिलों में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चयनित परिवार के एक वयस्क सदस्य को वर्ष में कम - से - कम 100 दिन अकुशल श्रम वाले रोजगार की गारण्टी दी गई है। अत: रोजगार की गारण्टी देने वाला एकमात्र कार्यक्रम है।

प्रश्न 18.
ग्रामीण क्षेत्र में निर्धनता के कोई तीन दुष्प्रभाव बताइए।
उत्तर:

1. ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता के कारण लोग बुनियादी साक्षरता एवं कौशल से वंचित रह जाते हैं।
2. ग्रामीण क्षेत्र में लोग निर्धनता के कारण साहूकारों से ऋण लेते हैं तथा वे जीवनपर्यन्त उस ऋणग्रस्तता से मुक्त - नहीं हो पाते।
3. निर्धनता के कारण गाँवों में अनेक लोग कुपोषण र का शिकार रहते हैं।

प्रश्न 19.
भारत में निर्धनता के आकार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् निर्धनता में निरन्तर कमी आई है किन्तु अभी भी निर्धनता अनुपात ऊँचा है। भारत में वर्ष 1973 - 74 में 320 मिलियन से अधिक लोग निर्धनता रेखा से नीचे निवास करते थे, यह संख्या वर्ष 2004 - 05 में घटकर 300 मिलियन एवं 2011 - 12 में तेन्दुलकर समिति के अनुसार 270 मिलियन रह गई। आनुपातिक दृष्टि से भारत में वर्ष 1973 - 74 में कुल जनसंख्या की 55 प्रतिशत जनसंख्या निर्धनता रेखा से नीचे निवास करती थी। यह अनुपात वर्ष 2004 - 05 में कम होकर 37 प्रतिशत एवं 2011 - 12 में तेन्दुलकर समिति के अनुसार 22 प्रतिशत रह गया। स] प्रश्न 20. शहरी क्षेत्र में निर्धन कौन है? - उत्तर-भारत में निर्धन लोग शहरी एवं ग्रामीण दोनों स क्षेत्रों में निवास करते हैं। पारिभाषिक दृष्टि से शहरी क्षेत्रों में ए| जिन लोगों को प्रतिदिन 2100

कैलोरी से कम उपभोग होता ना है वे निर्धन माने जाते हैं। शहरी क्षेत्र में प्राय: रेहड़ी वाले, य गली में काम करने वाले मोची, कचरा बीनने वाले, मालाएँ गूथने वाली महिलाएँ, फेरी वाले, रिक्शे वाले, भिखारी पर आदि निर्धनतापूर्ण जीवन व्यतीत करते हैं। ये लोग शहरों में प्राय: कच्ची बस्तियों में निवास करते हैं जहाँ इनकी अधिकांश मूलभूत आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं हो पाती हैं।

प्रश्न 21.
निर्धनता निवारण की संवृद्धि आधारित रणनीति को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
संवृद्धि आधारित रणनीति के अन्तर्गत सरकार द्वारा सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि का प्रयास किया जाता है। इसका प्रभाव धीरे-धीरे समाज के मम निर्धनतम वर्ग तक पहुंचता है तथा समाज में रोजगार के की अवसरों में पर्याप्त वृद्धि होती है। भारत में इस हेतु सरकार ने प्रथम कुछ पंचवर्षीय योजनाओं में औद्योगीकरण को बढ़ावा न दिया तथा कृषि क्षेत्र में विकास हेतु हरित क्रान्ति की नीति अपनायी इसका अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

प्रश्न 22.
निर्धन कौन हैं तथा इनकी प्रमुख समस्याएँ क्या हैं?
उत्तर:
निर्धन वे होते हैं जो अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर पाते हैं, जिनके पास आवास की उपयुक्त व्यवस्था नहीं होती है, जिन्हें दोनों समय भोजन भी प्राप्त नहीं होता है तथा जिन्हें बुनियादी साक्षरता एवं कौशल भी प्राप्त नहीं होता। निर्धनों की अनेक समस्याएँ पाई जाती हैं, उन्हें रोजगार नहीं मिल पाता, भोजन के अभाव में उन्हें अनेक गंभीर बीमारियाँ लग जाती हैं तथा इनमें अधिकांश लोग कुपोषण के शिकार रहते हैं। निर्धन लोग जीवन भर ऋणग्रस्त रहते हैं। निर्धन लोग ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि एवं मजदूरी पर निर्भर रहते हैं।

प्रश्न 23.
भारत में निर्धनता उन्मूलन हेत अपनाए गए किन्हीं दो कार्यक्रमों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम: इस कार्यक्रम का शुभारम्भ छठी योजना के दौरान गाँवों में रहने वाले गरीब लोगों को आय अर्जित करने की सुविधा जुटाने तथा अपना कारोबार शुरू करने के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था।
2. काम के बदले अनाज कार्यक्रम: यह कार्यक्रम 1970 के दशक में प्रारम्भ किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में उन गरीबों के लिए लागू किया गया, जो अकुशल श्रमिक हैं तथा काम करना चाहते हैं।

प्रश्न 24.
चिरकालीन निर्धनों के विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
चिरकालीन निर्धन वर्ग में वे लोग आते हैं, जो लम्बे समय से निर्धन हैं। इन्हें दो भागों में विभाजित किया जा सकता है

1. सदैव निर्धन - इसमें वे लोग शामिल हैं, जो सदैव निर्धनता रेखा से नीचे जीवनयापन करते हैं।
2. सामान्यतः निर्धन - सामान्य वा में वे लोग आते हैं, जो व्यक्ति अधिकांशतः निर्धनता रेखा से नीचे जीवनयापन करते हैं, किन्तु कभी - कभी उनके पास धन अ' जाता है। जैसे - अनियत मजदूर।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 25.
अल्पकालीन निर्धन किसे कहते हैं? इ.पके कितने प्रकार हैं?
उत्तर:
अल्पकालीन निर्धन लोग वे होते हैं, जो अल्पकाल हेतु निर्धन वर्ग में आते हैं। इसमें दो प्रकार के लोगों को शामिल किया जाता है

1. चक्रीय निर्धन - चक्रीय निर्धन वे होते हैं जो निरन्तर निर्धन तथा यदा-कदा निर्धनता के बीच झूलते रहते हैं। कभी वे लम्बे समय तक निर्धन हो जाते हैं तो कभी है कभी लम्बे समय तक धनी हो जाते हैं। जैसे-मौसमी मजदूर।
2. यदा - कदा निर्धन - यह वह वर्ग है, जो अधिकांश समय धनी रहता है किन्तु कभी-कभी निर्धनता रेखा से नीचे आ जाता है।

प्रश्न 26.
ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धन लोगों के लक्षण बताइए।
उत्तर:
ग्रामीण क्षेत्रों में वे लोग निर्धन हैं जिन्हें बुनियादी शिक्षा एवं कौशल ज्ञान भी प्राप्त नहीं हो पाया। फलस्वरूप उन्हें रोजगार प्राप्त नहीं हो पाता। ग्रामीण क्षेत्र में वे लोग निर्धन हैं जिन्हें पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएँ प्राप्त नहीं हो पाती हैं तथा वे बीमार एवं कुपोषित हैं। यहाँ वे लोग निर्धन हैं जो अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु साहूकारों से ऋण लेते हैं तथा वे जीवनपर्यन्त ऋणग्रस्त ही रहते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनों को बिजली एवं पर्याप्त स्वच्छ जल की प्राप्ति भी नहीं हो पाती है। निर्धन वर्ग की महिलाओं को मातृत्व काल में पर्याप्त भोजन भी नहीं मिल पाता है तथा उनके बच्चे भी प्रायः कुपोषण के शिकार रहते

प्रश्न 27.
भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद निर्धनता के आकलन हेतु क्या प्रयास किए गए?
उत्तर:
स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से भारत में निर्धनता के आकलन के कई प्रयास हुए हैं। योजना आयोग द्वारा इस कार्य के लिए 1962 में एक अध्ययन दल का गठन किया गया। वर्ष 1979 में एक अन्य दल 'प्रभावी उपभोग मांग और न्यूनतम आवश्यकता अनुमानन कार्य बल' गठित हुआ। वर्ष 1989 में एक विशेषज्ञ दल' का गठन किया गया। इन संगठित प्रयासों के अतिरिक्त अनेक अर्थशास्त्रियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से भी ऐसी ही प्रक्रियाओं के प्रयास किए गए।

प्रश्न 28.
क्या आप मासिक प्रतिव्यक्ति उपभोग व्यय विधि को देश में निर्धन परिवारों की
पहचान का उपयुक्त तरीका मानते हैं?
उत्तर:
हमारे अनुसार मासिक प्रतिव्यक्ति उपभोग व्यय विधि को देश में निर्धन परिवारों की पहचान का उपयुक्त तरीका नहीं माना जा सकता। इस विधि की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह सभी निर्धनों को एक वर्ग में मान लेता है और अति निर्धनों और अन्य निर्धनों में कोई अन्तर नहीं करता। यह विधि भी मुख्यतः भोजन और कुछ चुनी हुई वस्तुओं पर व्यय को आय का प्रतीक मानती है, पर कुछ अर्थशास्त्री इसे उचित नहीं मानते हैं। इससे सरकार की सहायता के पात्र व्यक्तियों के समूचे समूह का निर्धारण तो हो जाता है पर इसकी पहचान नहीं हो पाती है कि सबसे 3 अधिक सहायता की आवश्यकता किन निर्धनों को है।

प्रश्न 29.
निर्धनता निवारण की रोजगार संवर्द्धन की नीति को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
निर्धनता निवारण की रोजगार संवर्धन की नीति के अन्तर्गत सरकार ने देश में रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने हेतु अनेक रोजगार संवर्द्धन कार्यक्रम अपनाए जिनसे: रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सके। इस हेतु सरकार ने अनेक कार्यक्रम चलाए, जैसे - काम के बदले अनाज कार्यक्रम, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम, स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना, महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम आदि। इसके अतिरिक्त शहरी क्षेत्र में भी अनेक रोजगार संवर्द्धन कार्यक्रम चलाए गए।

प्रश्न 30.
भारत में निर्धनता निवारण हेतु सुझाव दीजिए।
उत्तर:

1. सरकारी नीतियों का कुशल संचालन करना।
2. जनसंख्या पर नियन्त्रण करना।
3. धन के समान वितरण के प्रयास करने चाहिए।
4. आधारिक संरचना का विकास करना चाहिए।
5. बचत एवं विनियोगों में वृद्धि करनी चाहिए।
6. उद्योगों का तीव्र विकास किया जाना चाहिए।
7. ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की विशेष योजनाएं चलाई जानी चाहिए।
8. शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करना चाहिए।
9. देश में वितरण व्यवस्था में सुधार करना चाहिए।
10. कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार होना चाहिए।

प्रश्न 31.
निर्धनता निवारण योजनाओं का ध्येय क्या होना चाहिए?
उत्तर:
निर्धनता निवारण योजनाओं का ध्येय मानवीय जीवन का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। उसमें ये बातें अवश्य होनी चाहिए कि मनुष्य क्या बन सकता है और क्या कर सकता है अर्थात् अधिक स्वस्थ, सुपोषित तथा ज्ञानसम्पन्न हो, सामाजिक जीवन में भागीदारी कर सके। इस दृष्टि से विकास का अर्थ होगा व्यक्ति के कर्म पथ की बाधाओं का निवारण जैसे उसे निरक्षरता, अस्वस्थता, संसाधनहीन नागरिक और राजनीतिक स्वतंत्रता के अभाव से मुक्ति दिलाना।

https://www.evidyarthi.in/